

Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	11 <sup>th</sup> Oct 2018

## पद्मश्री गीता चंद्रन ने दी भरतनाट्यम की मोहक प्रस्तुति



■ एनबीटी न्यूज, गुडगांव : छात्रों को देश की कला व संस्कृति से जोड़े रखने के लिए सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में रिपिक मैके के तहत भरतनाट्यम प्रस्तुति किया गया। बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की ओर से मोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में गीता ने अपनी शिष्या अमृता श्रुति और मधुरा मंच के साथ देवी स्वरूपों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिसे सराहा गया। उनकी ओर से मीरा के भजनों पर भी भरतनाट्यम नृत्य को प्रस्तुत किया गया। सनसिटी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में गीता चंद्रन ने कहा कि आज देश में कला, संस्कृति को संजोने की आवश्यकता है। इसे बचाये रखने के लिए अच्छे गुरु का चयन करना बेहद जरूरी है।

Publication	Hindustan
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	11 <sup>th</sup> Oct 2018

# हिन्दुस्तान

## भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी

**गुरुग्राम।** सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके का आयोजन किया गया। इसमें बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की ओर से मोहक प्रस्तुति दी। इसे देख सभी दर्शक मन्त्रमुग्ध हो गए। इस दौरान उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति उनके नृत्य कौशल का स्वतः ही अहसास करा रही थी जिसकी मौजूद सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने सराहना की।

Publication	Dainik Bhaskar
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	04
Date	11 <sup>th</sup> Oct 2018

## भरतनाट्यम् नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन ने दी मन-मोहक प्रस्तुति



गुडगांव | नई पीढ़ी को देश की कला व संस्कृति से जोड़े रखने की प्रेरणा के तहत सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में आयोजित स्पिक मैके में बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भरतनाट्यम् नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन ने मोहक प्रस्तुति दी। जिसे देख सभी मंत्रमुग्ध हो गए। इस दौरान उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति उनके नृत्य कौशल का अहमास करा रही थी, जिसकी मौजूद सभी शिक्षकों व स्टूडेंट्स ने सराहना की। कार्यक्रम में गीता ने अपनी शिष्या अमृता श्रुति और मधुरा मंच के साथ देवी स्वरूपों पर आधारित प्रस्तुति दी।

Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	11 <sup>th</sup> Oct 2018

## ਪੰਜਾਬ ਕੇਦਾਰੀ

# ਮੀਟਾ ਕੇ ਮਜਨੋਂ ਪਰ ਭਾਰਤਨਾਟਿਆਮ ਨ੍ਰਤਾ ਕੀ ਪ੍ਰਸ਼ੁਤਿ ਨੇ ਮਜਨ ਮੋਹਾ

ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ, ਅਜਧ ਤੌਮਰ , (ਪੰਜਾਬ ਕੇਂਸਰੀ): ਨਾਨੀ ਪੀਛੀ ਕੋ ਦੇਸ਼ ਕੀ ਕਲਾ ਵ ਸੱਸ਼ਕੂਤਿ ਸੇ ਜੀਡੇ ਰਖਨੇ ਕੇ ਤਹਤ ਸੇਕਟਰ 54 ਸਿਥਿਤ ਸਨਸਿਟੀ ਸਕੂਲ ਮੌਜੂਦ ਆਧੋਜਿਤ ਸਿਥਿਕ ਮੈਕੇ ਮੌਜੂਦ ਬੁਧਵਾਰ ਕੀ ਦਾਕਿਣ ਭਾਰਤ ਕੀ ਵਿਖਾਤ ਭਰਤਨਾਟਿਆਮ ਨ੍ਰਤਾਂਗਨਾ ਪਦਮਸ਼੍ਰੀ ਗੀਤਾ ਚੰਦ੍ਰਨ ਕੀ ਓਰ ਸੇ ਮੋਹਕ ਪ੍ਰਸ਼ੁਤਿ ਦੀ ਗਇ। ਜਿਸੇ ਦੇਖ ਸਭੀ ਦਰਸ਼ਕ ਮਨਤਮੁਖ ਹੋ ਗਏ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਤਨਕੇ ਦ੍ਰਾਸਾ ਦੀ ਗਇ ਪ੍ਰਸ਼ੁਤਿ ਤਨਕੇ ਨ੍ਰਤਾ ਕੌਸ਼ਲ ਕਾ ਸ਼ਵਤ: ਹੀ ਅਹਸਾਸ ਕਰਾ ਰਹੀ ਥੀ ਜਿਸਕੀ ਮੌਜੂਦ ਸਭੀ ਸ਼ਿਕਾਕਾਂ ਵ ਛਾਤ੍ਰ-ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਨੇ ਸ਼ਾਹਨਾ ਕੀ। ਕਾਰ੍ਯਕ੍ਰਮ ਮੌਜੂਦ ਗੀਤਾ ਨੇ ਅਪਨੀ ਸ਼ਿਵਾ ਅਮ੃ਤਾ ਸ਼੍ਰੁਤੀ ਔਰ ਮਧੂਰਾ ਮੰਚ ਕੇ ਸਾਥ ਦੇਵੀ ਸ਼ਵਰੂਪੀ ਪਰ ਆਧਾਰਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ੁਤਿ ਦੀ, ਜਿਸੇ ਸ਼ਾਹਨਾ ਗਿਆ ਤਨਕੀ ਓਰ ਸੇ ਮੀਰਾ ਕੇ ਭਜਨੋਂ ਪਰ ਭੀ ਭਾਰਤਨਾਟਿਆਮ ਨ੍ਰਤਾ ਕੋ ਪ੍ਰਸ਼ੁਤ ਕਿਯਾ ਗਿਆ। ਇਸੀ ਤਰਹ ਗੀਤਾ ਵ ਤਨਕੀ ਸ਼ਿਵਾਂ ਨੇ ਅਨ੍ਯ ਪ੍ਰਸ਼ੁਤਿਆਂ ਸੇ ਭਾਰਤਨਾਟਿਆਮ ਨ੍ਰਤਾ ਕੀ ਖੂਬਸੂਰਤੀ ਕਾ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਕੋ ਅਹਸਾਸ ਕਰਾਇਆ। ਸਨਸਿਟੀ ਸਕੂਲ ਮੌਜੂਦ ਆਧੋਜਿਤ ਇਸ ਕਾਰ੍ਯਕ੍ਰਮ ਮੌਜੂਦ ਗੀਤਾ ਚੰਦ੍ਰਨ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਆਜ ਦੇਸ਼ ਮੌਜੂਦ ਕਲਾ, ਸੱਸ਼ਕੂਤਿ ਕੀ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀ ਅਕਾਲ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਬਚਾਯੇ ਰਖਨੇ ਕੇ ਲਿਏ ਅਚੜੇ ਗੁਰ ਕਾ ਚਿਨ ਕਰਨਾ ਬੇਹਦ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਤਨਹੋਂਨੇ ਭਾਰਤਨਾਟਿਆਮ ਕੀ ਵਿਸ਼ੇ਷ਤਾਾਂ ਔਰ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੀ

ਜਿੜਾਸਾਓਂ ਕਾ ਤਤਤ ਦੇਤੇ ਹੁਏ ਬਤਾਇਆ ਕਿ ਆਂਤਰਿਕ ਭਾਵ ਕੀ ਅਭਿਵਾਕਿਤ ਕਾ ਨਾਮ ਹੀ ਨ੍ਰਤਾ ਹੈ। ਭਾਵ, ਰਾਗ ਔਰ ਤਾਲ ਕਾ ਅਨੁਦੁਤ ਸਮਵਾਦ ਹੀ ਭਰਤਨਾਟਿਆਮ ਕੀ ਅਨ੍ਯ ਸ਼ਾਸ਼ਕੀਅ ਨ੍ਰਤਾਂ ਸੇ ਅਲਗ ਪਹਚਾਨ ਦਿਲਾਤਾ ਹੈ। ਨ੍ਰਤਾ ਏਕ ਕਲਾ ਹੈ, ਯਹ ਸਤਤ ਅਭਿਆਸ ਸੇ ਹੀ ਸਾਂਭਵ ਹੈ। ਤਨਹੋਂਨੇ ਸਨਸਿਟੀ ਸਕੂਲ ਸਮੇਤ ਸਭੀ ਵਿਦ्यਾਲਿਆ ਕੇ ਛਾਤ੍ਰ-ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੋ ਭਾਰਤਨਾਟਿਆਮ ਕੀ ਬਾਰੀਕਿਆਂ ਔਰ ਸਹੀ ਭਾਵ ਭੰਗਮਾਓਂ ਸੇ ਭੀ ਪਰਿਚਿਤ ਕਰਾਇਆ।

ਸਨਸਿਟੀ ਸਕੂਲ ਕੀ ਪ੍ਰਧਾਨਾਚਾਰਾ ਰੂਪਾ ਚਕਰਵਰੀ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਹਮ ਬੀਤੇ 10 ਵਰ੍਷ਾਂ ਸੇ ਪ੍ਰਤੀਕ ਵਰਧ ਇਸ ਤਰਹ ਕੇ ਕਾਰ੍ਯਕ੍ਰਮ ਕਾ ਆਯੋਜਨ ਕਰਤੇ ਆ ਰਹੇ ਹੈਂ। ਭਾਰਤੀਅ ਸ਼ਾਸ਼ਕੀਅ ਨ੍ਰਤਾ ਹਮਾਰੀ ਸੱਸ਼ਕੂਤਿ ਕਾ ਆਧਾਰ ਹੈ। ਵਰਤਮਾਨ ਮੌਜੂਦ ਮਾਰਾ ਯੁਵਾ ਵਰਗ ਪਿੱਛਵੀ ਸਾਡਤਾ ਕੀ ਓਰ ਆਕਿਧਿ ਹੁਆ ਹੈ। ਏਸੇ ਮੌਜੂਦ ਅਪਨੇ ਦੇਸ਼ ਕੀ ਕਲਾ ਵ ਸੱਸ਼ਕੂਤਿ ਕੀ ਖੂਬਿਆਂ ਸੇ ਅਛੂਤਾ ਨ ਰਹੇ, ਜਿਸਕੇ ਲਿਏ ਕਥਕ, ਭਰਤਨਾਟਿਆਮ ਕੇ ਕਾਰ੍ਯਕ੍ਰਮ ਕਾ ਆਯੋਜਨ ਕਿਯਾ ਜਾਤਾ ਹੈ। ਸਨਸਿਟੀ ਸਕੂਲ ਕੀ ਏਕ ਛਾਤ੍ਰ ਨੇ ਬਤਾਇਆ ਕਿ ਵਹ ਭੀ ਭਾਰਤਨਾਟਿਆਮ ਸੀਖ ਰਹੀ ਹੈਂ ਔਰ ਗੀਤਾ ਚੰਦ੍ਰਨ ਤਨਕੀ ਆਦਰਸ਼ ਹੈਂ, ਜਿਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਵਹ ਅਪਨੇ ਸ਼ਿਵਾਂ ਕੀ ਨ੍ਰਤਾ ਸਿਖਾਤੀ ਹੈਂ ਵਹ ਅਤੁਲਨੀਅ ਹੈਂ।

Publication	Gurgoan Today
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	11 <sup>th</sup> Oct 2018

## गुडगांव टुडे

# भरतनाट्यम् नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन ने दी मोहक प्रस्तुति

## गुरुग्राम सेवटर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके का आयोजन

**गुडगांव टुडे, गुरुग्राम।** नई पीढ़ी को देश की कला व संस्कृति से जोड़े रखने के तहत सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में आयोजित स्पिक मैके में बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भरतनाट्यम् नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की ओर से मोहक प्रस्तुति दी गई। जिसे देख सभी दर्शक मन्त्रमुग्ध हो गए। इस दौरान उनके द्वारा

नृत्य को प्रस्तुत किया गया। इसी तरह गीता व उनकी शिष्याओं ने अन्य प्रस्तुतियों से भारतनाट्यम् नृत्य की खूबसूरती का दर्शकों को अहसास कराया।

सनसिटी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में गीता चंद्रन ने कहा कि आज देश में कला, संस्कृति को संजोने की आवश्यकता है। इसे

दिलाता है। नृत्य एक कला है, यह सतत अभ्यास से ही संभव है। उन्होंने सनसिटी स्कूल समेत सभी विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भरतनाट्यम् की बारीकियों और सही भाव भौगिमाओं से भी परिचित कराया। सनसिटी स्कूल की प्रधानाचार्या रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि हम बीते 10 वर्षों से प्रत्येक वर्ष इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य हमारी संस्कृति का आधार है। वर्तमान में हमारा युवा वर्ग पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुआ है। ऐसे में वह अपने देश की कला व संस्कृति की खूबियों से अछूता न रहे, जिसके लिए कथक, भरतनाट्यम् के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। सनसिटी स्कूल की एक छात्रा ने बताया कि वह भी भरतनाट्यम् सीख रही हैं और गीता चंद्रन उनकी आदर्श हैं, जिस प्रकार वह अपने शिष्यों को नृत्य सिखाती हैं वह अतुल्यनीय है। भरतनाट्यम् के प्रति उनका प्रेमभाव और जुड़ाव उनकी प्रस्तुति में दिखाई देता है। भविष्य में उनके नृत्य अकादमी में मैं उनसे एक दिन ज़रूर भारतीय नृत्य कला भरतनाट्यम् की शिक्षा लूंगी ब्यांकि उनके जैसा शिक्षक कोई नहीं हैं। छात्रों के लिए स्पिक मैके संस्था द्वारा समय- समय पर विश्व विख्यात कलाकारों द्वारा कला का प्रदर्शन विद्यालय प्रांगण में किया जाता है।



दी गई प्रस्तुति उनके नृत्य कौशल का स्वतः ही अहसास करा रही थी जिसकी मौजूद सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने सराहना की।

कार्यक्रम में गीता ने अपनी शिष्या अमृता श्रुति और मधुरा मंच के साथ देवी स्वरूपों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिसे सराहा गया। उनकी ओर से मीरा के भजनों पर भी भारतनाट्यम्

बचाए रखने के लिए अच्छे गुरु का चयन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने भरतनाट्यम् की विशेषताओं और छात्रों की जिज्ञासाओं का उत्तर देते हुए बताया कि आंतरिक भाव की अभिव्यक्ति का नाम ही नृत्य है। भाव, राग और ताल का अद्भुत समन्वय ही भरतनाट्यम् को अन्य शास्त्रीय नृत्यों से अलग पहचान

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	11 <sup>th</sup> Oct 2018

# भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की मोहक प्रस्तुति

ह्यूमन इंडिया/व्यूरो

गुरुग्राम। नवीं पीढ़ी को देश की कला व संस्कृति से जोड़े रखने के तहत सेक्वेट 54 स्थित सनसिटी स्कूल में आयोजित संपिक मैंके में बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन को और से माहक प्रस्तुति दी गई। जिसे देख सभी दर्शक मन्त्रमुद्ध हो गए। इस दौरान उनके द्वारा दी गई

प्रस्तुति उनके नृत्य कौशल का स्वतः ही अहसास करा रही थी जिसको मौजूद सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने समाहना की। कार्यक्रम में गीता ने अपनी शिश्या अमृत श्रुति और मधुरा मंच के साथ देवी स्वरूपों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिसे सराहा गया। उनको ओर से मांग के भजनों पर भी भरतनाट्यम नृत्य को प्रस्तुत किया गया। इसी तरह गीता व उनको



शिश्याओं ने अन्य प्रस्तुतियों से भारतनाट्यम नृत्य की खूबसूरती का दर्शकों को अहसास कराया। सनसिटी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में गीता चंद्रन ने कहा कि आज देश में कला, संस्कृति को संजोने की आवश्यकता है। इसे बचाये रखने के लिए अच्छे गुरु का चयन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने भरतनाट्यम की विशेषताओं और छात्रों को जिजासाओं का उत्तर देते हुए बताया कि आंतरिक भाव की अभिव्यक्ति का नाम ही नृत्य है। भाव, रग और ताल का अद्भुत सम्बन्ध ही भरतनाट्यम को अन्य शास्त्रीय नृत्यों से अलग पहचान दिलाता है। नृत्य एक कला है, यह सतत अभ्यास से ही संभव है। उन्होंने सनसिटी स्कूल समेत सभी विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भरतनाट्यम की वारीकर्त्ता और सही भाव भौगोलिकों से भी परिचिन कराया।

सनसिटी स्कूल की प्रधानाचार्या रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि हम बीते 10 वर्षों से प्रत्येक वर्ष इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य हमारी संस्कृति का आधार है। वर्तमान में हमारा युवा वर्ष पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुआ है। ऐसे में वह अपने देश की कला व संस्कृति की खूबियों से अछूता न रहे, जिसके लिए कल्याण, भरतनाट्यम के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। सनसिटी स्कूल की एक छात्रा ने बताया कि वह भी भरतनाट्यम सीख रही हैं और गीता चंद्रन उनकी आदर्श हैं, जिस प्रकार वह अपने शिश्यों को नृत्य सिखाती हैं वह अतुल्यीय है।

भरतनाट्यम के प्रति उनका प्रेमभाव और जुड़ाव उनकी प्रस्तुति में दिखाई देता है। भविष्य में उनके नृत्य अकादमी में उनसे एक दिन जल्दी भरतनाट्यम की शिक्षा लेंगी वर्षों के उन्हें जैसा शिक्षक कोई नहीं है। छात्रों के लिए संपिक मैंके संस्कार द्वारा समय- समय पर विश्व विख्यात कलाकारों द्वारा कला का प्रदर्शन विद्यालय प्रांगण में किया जाता है। इस संस्था के माध्यम से छात्रों को भारत के विभिन्न स्थानों पर आयोजित राज्य अधिवेशन, राष्ट्रीय अधिवेशन एवं विद्यालय अधिवेशन में प्रतिभाग करने का अवसर मिलता है जिससे उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत, रीतिविवाज,

पीराणिक कथाओं को जानने अवसर भी मिलता है। पद्मश्री गीता चंद्रन भरतनाट्यम का जाना-माना नाम है। गीता न सिर्फ शास्त्रीय नृत्य में पारंगत हैं, बल्कि कर्ताक संगीत पर भी उनको मजबूत पकड़ है। विभिन्न कलाओं में माहिर गीता ने पांच वर्ष की अल्प आयु से ही नृत्य सीखना आरंभ कर दिया था। वह स्वर्णा सरखती की शिश्य हैं जिन्होंने पारंपरिक तंजुवर दासी परंपरा से संबंधित हैं, उन्होंने नृत्य कला का प्रदर्शन भारत के अलावा विदेशों में भी किया है। उन्होंने नई दिल्ली में नृत्य बृश नृत्य अकादमी की स्थापना की है। गीता शास्त्रीय नृत्य का एक कदम आगे ले गई हैं। वह कंटेम्परी आर्ट फॉर्म से जोड़ते हुए समाज में ही रहे अनैतिक अपराधों के खलाफ अपना विरोध भी प्रकट करती हैं। गीता ने सो मेनी जर्नीज नाम से एक किताब भी लिखी है। गीता को भारत सरकार का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, पद्मश्री, सरखती पुरस्कार, कलासामार पुरस्कार, कर्मवीर पुरस्कार, स्त्री सम्मान, लाइफटाइम अचौक्षिक अवार्ड आदि से सम्मानित किया गया है।

<https://www.thehindu.com/todays-paper/tp-national/tp-newdelhi/dance/article25174071.ece>



## Bharatanatyam

To celebrate and promote India values and classical art forms, a special Bharatanatyam performance by Padmashree Geeta Chandran. The event is organised by Society for the Promotion of Indian Classical Music And Culture Amongst Youth (SPIC MACAY) and hosted by Suncity School.

Venue:Suncity School, Sector 54, Gurugram

Time:11 a.m.

## नवभारत टाइम्स

गुडगांव समाचार

<https://navbharattimes.indiatimes.com/state/punjab-and-haryana/gurgaon/bharatanatyam-dancer-padma-shri-geeta-chandran-presented-the-enticing-presentation/articleshow/66152322.cms>

# भरतनाट्यम् नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन ने दी मोहक प्रस्तुति

नवभारत टाइम्स | Updated: Oct 11, 2018, 08:00AM IST

एनबीटी न्यूज, गुडगांव

छात्रों को देश की कला व संस्कृति से जोड़े रखने के लिए सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके के तहत भरतनाट्यम् प्रस्तुत किया गया। बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भरतनाट्यम् नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की ओर से मोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में गीता ने अपनी शिष्या अमृता श्रुति और मधुरा मंच के साथ देवी स्वरूपों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिसे सराहा गया। उनकी ओर से मीरा के भजनों पर भी भरतनाट्यम् नृत्य को प्रस्तुत किया गया। इसी तरह गीता व उनकी शिष्याओं ने अन्य प्रस्तुतियों से नृत्य की खूबसूरती का दर्शकों को अहसास कराया। सनसिटी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में गीता चंद्रन ने कहा कि आज देश में कला, संस्कृति को संजोने की आवश्यकता है। इसे बचाये रखने के लिए अच्छे गुरु का चयन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने भरतनाट्यम् की विशेषताओं और छात्रों की जिज्ञासाओं का उत्तर देते हुए बताया कि आंतरिक भाव की अभिव्यक्ति का नाम ही नृत्य है। भाव, राग और ताल का अद्भुत समंवय ही भरतनाट्यम् को अन्य शास्त्रीय नृत्यों से अलग पहचान दिलाता है। नृत्य एक कला है, यह सतत अभ्यास से ही संभव है। उन्होंने सनसिटी स्कूल समेत सभी विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भरतनाट्यम् की बारीकियों और सही भाव भंगिमाओं से भी परिचित कराया।

<http://rozananews.in/2018/10/10/%E0%A4%97%E0%A5%81%E0%A4%B0%E0%A5%81%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%AE-%E0%A4%B8%E0%A5%88%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A4%B0-54-%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%A5%E0%A4%BF%E0%A4%A4-%E0%A4%B8/>

# गुरुग्राम सैक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके का आयोजन

गुरुग्राम सैक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके का आयोजन



गुरुग्राम सैक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके का आयोजन

उमेश शर्मा रोजाना न्यूज

**गुरुग्राम:** नयी पीढ़ी को देश की कला व संस्कृति से जोड़े रखने के तहत सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में आयोजित स्पिक मैके में बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की ओर से मोहक प्रस्तुति दी गई। जिसे देख सभी दर्शक मन्त्रमुग्ध हो गए। इस दौरान उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति उनके नृत्य कौशल का स्वतः ही अहसास करा रही थी जिसकी मौजूद सभी शिक्षकों व छात्र.छात्राओं ने सराहना की। कार्यक्रम में गीता ने अपनी शिष्या अमृता श्रुति और मधुरा मंच के साथ देवी स्वरूपों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिसे सराहा गया। उनकी ओर से मीरा के भजनों पर भी भारतनाट्यम नृत्य को प्रस्तुत किया गया। इसी तरह गीता व उनकी शिष्याओं ने अन्य प्रस्तुतियों से भारतनाट्यम नृत्य की खूबसूरती का दर्शकों को अहसास कराया। सनसिटी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में गीता चंद्रन ने कहा कि अज देश में कला संस्कृति को संजोने की आवश्यकता है। इसे बचाये रखने के लिए अच्छे गुरु का चयन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने भरतनाट्यम की विशेषताओं और छात्रों की जिज्ञासाओं का उत्तर देते हुए बताया कि आंतरिक भाव की अभिव्यक्ति का नाम ही नृत्य है। भाव राग और ताल का अद्भुत समन्वय ही भरतनाट्यम को अन्य शास्त्रीय नृत्यों से अलग पहचान दिलाता है। नृत्य एक कला है यह सतत् अभ्यास से ही संभव है। उन्होंने सनसिटी स्कूल समेत सभी विद्यालय के छात्र.छात्राओं को भरतनाट्यम की बारीकियों और सही भाव भंगिमाओं से भी परिचित कराया। सनसिटी स्कूल की प्रधानाचार्या रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि हम बीते 10 वर्षों से प्रत्येक वर्ष इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य हमारी संस्कृति का आधार है। वर्तमान में हमारा युवा वर्ग पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुआ है। ऐसे में वह अपने देश की कला व संस्कृति की खूबियों से अछूता न रहे जिसके लिए कथक भरतनाट्यम के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। सनसिटी स्कूल की एक छात्रा ने बताया कि वह भी भरतनाट्यम सीख रही हैं और गीता चंद्रन उनकी आदर्श है। वह अपने शिष्यों को नृत्य सिखाती हैं वह अतुल्यनीय है। भरतनाट्यम के प्रति उनका

प्रेमभाव और जुड़ाव उनकी प्रस्तुति में दिखाई देता है। भविष्य में उनके नृत्य अकादमी में मैं उनसे एक दिन ज़रूर भारतीय नृत्य कला भरतनाट्यम की शिक्षा लूंगी क्योंकि उनके जैसा शिक्षक कोई नहीं हैं। छात्रों के लिए स्पिक मैके संस्था द्वारा समय समय पर विश्व विख्यात कलाकरों द्वारा कला का प्रदर्शन विद्यालय प्रांगण में किया जाता है। इस संस्था के माध्यम से छात्रों को भारत के विभिन्न स्थानों पर आयोजित राज्य अधिवेशन राष्ट्रीय अधिवेशन एवं विद्यालय अधिवेशन में प्रतिभाग करने का अवसर मिलता है जिससे उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत रीतिरिवाज पौराणिक कथाओं को जानने का अवसर भी मिलता है। पद्मश्री गीता चंद्रन भरतनाट्यम का जाना-माना नाम है। गीता न सिर्फ शास्त्रीय नृत्य में पारंगत हैं बल्कि कर्नाटक संगीत पर भी उनकी मज़बूत पकड़ है। विभिन्न कलाओं में माहिर गीता ने पांच वर्ष की अल्प आयु से ही नृत्य सीखना आरंभ कर दिया था। वह स्वर्णा सरस्वती की शिष्य हैं जिन्होंने पारंपरिक तंजुवर दासी परंपरा से संबंधित हैं उन्होंने नृत्य कला का प्रदर्शन भारत के अलावा विदेशों में भी किया है। उन्होंने नई दिल्ली में नृत्य वृक्ष नृत्य अकादमी की स्थापना की है। गीता शास्त्रीय नृत्य को एक कदम आगे ले गई हैं। वह कंटेम्पररी आर्ट फ़ॉर्म से जोड़ते हुए समाज में हो रहे अनैतिक अपराधों के खिलाफ़ अपना विरोध भी प्रकट करती हैं। गीता को भारत सरकार का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार पद्मश्रीए सरस्वती पुरस्कार कलासागर पुरस्कार कर्मवीर पुरस्कार स्त्री सम्मान लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड आदि से सम्मानित किया गया है।

[http://indianow24.com/2018/10/10/%E0%A4%AD%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%A8%E0%A4%BE%E0%A4%9F%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%AE-%E0%A4%A8%E0%A5%83%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A4%A8%E0%A4%BE-%E0%A4%AA%E0%A4%A6/?utm\\_source=WhatsApp&utm\\_medium=IM&utm\\_campaign=share](http://indianow24.com/2018/10/10/%E0%A4%AD%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%A8%E0%A4%BE%E0%A4%9F%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%AE-%E0%A4%A8%E0%A5%83%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A4%A8%E0%A4%BE-%E0%A4%AA%E0%A4%A6/?utm_source=WhatsApp&utm_medium=IM&utm_campaign=share)



Breaking News देश मनोरंजन राज्य होम

## भारतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की मोहक प्रस्तुति

भारतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की मोहक प्रस्तुति

एपिटेट योगेश गुरुग्राम India Now24

**गुरुग्राम:** नयी पीढ़ी को देश की कला व संस्कृति से जोड़े रखने के तहत सेक्टर 54 स्थित सनसिठी स्कूल में आयोनित स्पेक्टिक मैके में बुधवार को दक्षिण भारत की विख्यात भारतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन की ओट से मोहक प्रस्तुति दी गई। जिसे देख सभी दर्शक मन्त्रमुग्ध हो गए। डस दौरान उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति उनके नृत्य कौशल का स्वतः ही अहमास करा रही थी जिसकी मौजूद सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने सराहना की।

कार्यक्रम में गीता ने अपनी शिष्या अमृता श्रुति और मधुरा मंच के साथ देवी स्वरूपों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिसे सराहा गया। उनकी ओट से गीता के भजनों पर भी भारतनाट्यम नृत्य को प्रस्तुत किया गया। इसी तरह गीता व उनकी शिष्याओं ने अन्य प्रस्तुतियों से भारतनाट्यम नृत्य की खूबसूरती का दर्शकों को अहमास कराया।

सनसिटी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में गीता चंद्रन ने कहा कि आज देश में कला, संस्कृति को संजोने की आवश्यकता है। इसे बचाये रखने के लिए अच्छे गुरु का चयन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने भरतनाट्यम की विशेषताओं और छात्रों की जिज्ञासाओं का उत्तर देते हुए बताया कि आंतरिक भाव की अभिव्यक्ति का नाम ही नृत्य है। भाव, राग और ताल का अद्भुत समन्वय ही भरतनाट्यम को अन्य शास्त्रीय नृत्यों से अलग पहचान दिलाता है। नृत्य एक कला है, यह सतत अभ्यास से ही संभव है। उन्होंने सनसिटी स्कूल समेत सभी विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भरतनाट्यम की बारीकियों और सही भाव भंगिमाओं से भी परिचित कराया।

सनसिटी स्कूल की प्रधानाचार्या रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि "हम बीते 10 वर्षों से प्रत्येक वर्ष इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य हमारी संस्कृति का आधार है। वर्तमान में हमारा युवा वर्ग पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुआ है। ऐसे में वह अपने देश की कला व संस्कृति की खूबियों से अछूता न रहे, जिसके लिए कर्त्यक, भरतनाट्यम के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।"

सनसिटी स्कूल की एक छात्रा ने बताया कि "वह भी भरतनाट्यम सीख रही हैं और गीता चंद्रन उनकी आदर्श हैं। जिस प्रकार वह अपने शिष्यों को नृत्य सिखाती हैं वह अतुल्यनीय है। भरतनाट्यम के प्रति उनका प्रेमभाव और जुड़ाव उनकी प्रनतुति में दिखाई देता है। भविष्य में उनके नृत्य अकादमी में में उनसे एक दिन ज़रूर भारतीय नृत्य कला भरतनाट्यम की शिक्षा लूंगी क्योंकि उनके जैसा शिक्षक कोई नहीं हैं।"

छात्रों के लिए स्पेक मैके संस्था द्वारा समय- समय पर विश्व विख्यात कलाकरों द्वारा कला का प्रदर्शन विद्यालय प्रांगण में किया जाता है। इस संस्था के माध्यम से छात्रों को भारत के विभिन्न स्थानों पर आयोजित राज्य अधिवेशन, राष्ट्रीय अधिवेशन एवं विद्यालय अधिवेशन में प्रतिभाग करने का अवसर मिलता है जिससे उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत, रीतिविवाज, पौराणिक कथाओं को जानने अवसर भी मिलता है।

पद्मश्री गीता चंद्रन भरतनाट्यम का जाना-माना नाम है। गीता न सिफ शास्त्रीय नृत्य में पाठंगत है, बल्कि कनटिक संगीत पर भी उनकी मज़बूत पकड़ है। विभिन्न कलाओं में माहिर गीता ने पांच वर्ष की अल्प आयु से ही नृत्य सीखना आरंभ कर दिया था। वह रूपर्णि सरकरी की शिष्या हैं जिन्होंने पाठंगिक तंजुवर दासी पटंपटा से संबंधित हैं, उन्होंने नृत्य कला का प्रदर्शन भारत के अलावा विदेशों में भी किया है।

उन्होंने नई दिल्ली में नृत्य वृक्ष नृत्य अकादमी की स्थापना की है। गीता शास्त्रीय नृत्य को एक कदम आगे ले गई हैं। वह कंटेम्परटी आर्ट फॉर्म से जोड़ते हुए समाज में हो रहे अनेकिक अपराधों के खिलाफ अपना विटोध भी प्रकट करती हैं। गीता ने 'सौ मेनी जनर्ज़' नाम से एक किताब भी लिखी है। गीता को भारत सरकार का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, पद्मश्री, सरकरी पुरस्कार, कलासागर पुरस्कार, कर्मवीर पुरस्कार, स्त्री सम्मान, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड आदि से सम्मानित किया गया है।